NEWS

ICAR-Central Institute for Research on Cattle, Meerut

24.02.2023

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ, के वैज्ञानिकों और अन्नासाहेब फाउंडेशन फॉर एग्रो एंड सोशल डेवलपमेंट के अधिकारियों के बीच 24 फरवरी, 2023 को एक बैठक हुई।

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. उमेश सिंह ने उद्घाटन भाषण दिया और अन्नासाहेब शिंदे, मुख्य परिचालन अधिकारी, श्री किरण श्रीकांत पटवर्धन, सीईओ और डॉ. अली, अन्नासाहेब फाउंडेशन के वरिष्ठ पशु चिकित्सक का स्वागत किया। उन्होंने उन्हें संस्थान के दृष्टिकोण, अनुसंधान और क्षमता निर्माण में प्रमुख कार्य क्षेत्रों, चल रही अनुसंधान गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पशुपालन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता और स्वदेशी गोवंश के दूध उत्पादन में वृद्धि के तरीकों पर जोर दिया।

श्री अन्नासाहेब शिंदे ने सभी को अन्नासाहेब फाउंडेशन संस्था के कार्य के बारे में जानकारी दी। श्री किरण श्रीकांत पटवर्धन ने गाओलाओ नस्ल की विशेषताओं के बारे में बताया और एक गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादक के रूप में इसकी भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने चयनित सांडों के गुणवत्ता वाले वीर्य का उपयोग करके नस्ल के आनुवंशिक सुधार और प्रबंधन के लिए केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान की मदद का अनुरोध किया। डॉ. अली ने पशुधन उत्पादन में भ्रूण स्थानांतरण के अपने व्यापक अनुभव को साझा किया। गाओलाओ नस्ल की गाय के विकास के संबंध में समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में डॉ. सुरेश कुमार डीएस, डॉ. प्रमोद सिंह, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. ए.एस. सिरोही, डॉ. रविंदर कुमार, डॉ. टी.वी. राजा, डॉ. एस. साहा और डॉ. मेघा पांडे जैसे अन्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। स्वदेशी नस्लों के उत्पादन और प्रजनन प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई।

On February 24, 2023, a meeting was held between scientists from ICAR-Central Institute for Research on Cattle, Meerut, and officials from Annasaheb Foundation for Agro and Social Development.

Dr. Umesh Singh, Director of ICAR-CIRC, delivered the inaugural address and welcomed Shri Annasaheb Shinde, Chief Operating Officer, Shri Kiran Shrikant Patwardhan, CEO and Dr. Ali, Senior Veterinarian from Annasaheb Foundation. He briefed them about the vision of the Institute, key action areas in research and capacity building, ongoing research activities and future plans and programmes. He emphasised the need for scientific approach in animal husbandry and ways to increase milk yield of indigenous cattle.

Shri Annasaheb Shinde briefed the house about the work of their foundation and desired collaboration with ICAR-CIRC for improvement of Gaolao cattle breed. Shri Kiran Shrikant Patwardhan spoke about the special features of Gaolao breed and discussed its role as

a quality milk producer. He requested the help of CIRC for genetic improvement of the breed using quality semen of selected bulls and for management. Dr. Ali shared his extensive experience with embryo transfer in livestock production. A discussion on Memorandum of Understanding (MoU) was discussed in detail regarding the development of Gaolao cattle breed.

The programme was attended by other experts namely Dr. Suresh Kumar DS, Dr. Pramod Singh, Dr. Sushil Kumar, Dr. AS Sirohi, Dr. Ravinder Kumar, Dr. TV Raja, Dr. S Saha and Dr. Megha Pande. Important aspects of production and reproductive management of indigenous breeds were also discussed.